

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुल सचिव,
कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6

देहरादून दिनांक : 01 फरवरी 2011

विषय : विश्वविद्यालय के स्लीपी हौलो परिसर में श्रेणी-1, श्रेणी-2 के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु अवशेष समस्त धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक : केयू/भवन-318/2010/1027 दिनांक 16-दिसम्बर-2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय के स्लीपी हौलो परिसर में श्रेणी-1 व श्रेणी-2 के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु पूर्व में शासनादेश संख्या : 157/xxiv(6)/2008 दिनांक 24, दिसम्बर-2008 द्वारा उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 अल्मोड़ा द्वारा गठित आगणन रु0 65.47 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2008-09 में रुपये 50.00 लाख विश्वविद्यालय को अवमुक्त किए जा चुके हैं । प्रश्नगत आवासीय भवनों के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 में अंतिम किश्त के रूप में अवशेष समस्त धनराशि रुपये 15,47,000.00 (रुपये पन्द्रह लाख सैंतालीस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि का आहरण, यदि पूर्व में ही आहरण न कर लिया गया हो, कोषागार, नैनीताल से जिला शिक्षा अधिकारी नैनीताल के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त किया जायेगा । तत्पश्चात् नियमानुसार धनराशि निर्माण एजेन्सी को उपलब्ध करायी जायेगी ।

3. विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत की गयी धनराशि का शीघ्रातिशीघ्र उपभोग सुनिश्चित कराते हुए कार्यदायी संस्था को कार्य की प्रगति में समुचित तेजी लाये जाने हेतु भी निर्देशित किया जाय, जिससे कार्य इसी वित्तीय वर्ष में निर्धारित समय में पूर्ण हो सके । भवन की लागत का पुनरीक्षण किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

4- शासनादेश संख्या : 157/xxiv(6)/2008 दिनांक 24, दिसम्बर-2008 में उल्लिखित शर्तें यथावत् लागू रहेंगी ।

5- प्रश्नगत निर्माण कार्यों को पूर्ण करने हेतु अवशेष सम्पूर्ण धनराशि अवमुक्त की जा रही है, विश्वविद्यालय निर्धारित समयान्तर्गत सभी औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए भवन का नियमानुसार कब्जा

प्राप्त करना सुनिश्चित करें । साथ ही सम्पूर्ण निर्माण में व्यय का लेखा प्रस्तुत करते हुए अवशेष राशि, यदि कोई हो, को तत्काल समर्पित किया जाये ।

6- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी ।

7- व्यय उन्हीं कार्यों एवं योजनाओं पर किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है । किसी भी दशा में भवन का पुनरीक्षित आंगणन स्वीकृत नहीं किया जाएगा ।

8. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-2011 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-2202 सामान्य शिक्षा, आयोजनागत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा, 102-विश्वविद्यालयों को सहायता, 03 कुमायूं विश्वविद्यालय- 00 - 20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा ।

9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 860 (पी)/ XXVII(3)/ 2010 दिनांक 18,जनवरी-2011 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय


(पी0सी0 शर्मा)
प्रमुख सचिव ।

संख्या : 48 (1)XXIV(6)/2010 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- (1) महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
- (2) आयुक्त कुमायूं मण्डल, नैनीताल ।
- (3) जिलाधिकारी, नैनीताल ।
- (4) वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- (5) जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल ।
- (6) निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल ।
- (7) निजी सचिव, मा0मुख्यमन्त्री ।
- (8) परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0 अल्मोड़ा ।
- (9) वित्त अनु-3, /नियोजन अनुभाग, उत्तरांचल शासन ।
- (10) बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून ।
- (11) विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,


(नितेश कुमार झा)
अपर सचिव ।